Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
April to June 2025, E-Journal, Vol. I, Issue L (50), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (ITEP) की आवश्यकता एवं चुनौतियॉं : (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भ में)

डॉ. उमा श्रीवास्तव*

* सहायक प्राध्यापक, शासकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, देवास (म.प्र.) भारत

शोध सारांश – शिक्षक राष्ट्र निर्माता के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं। वे अपने विद्यार्थियों को न केवल गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं वरन् वे मार्गदर्शक, परामर्शदाता, मनोवैज्ञानिक, प्रेरक आदि के रूप में भी अपनी भूमिका अदा करते हैं। अत: शिक्षण व शैक्षिक गुणों को प्रभावी बनाने के लिए शिक्षक शिक्षा अत्यन्त महत्वपूर्ण है। शिक्षक शिक्षा के माध्यम से भावी शिक्षकों को उन प्रक्रियाओं से अवगत् कराया जाना आवश्यक है, जिनके द्वारा उनमें शिक्षकीय दृष्टिकोण, शिक्षण विधियाँ, शिक्षण कौशल, आवश्यक ज्ञान और उनके प्रस्तुतीकरण का कौशल निर्मित हो सके। इन दक्षताओं और क्षमताओं के विकास से ही वे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण व चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो सकेगें।

इन आवश्यकताओं को विचारण में लेकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षक शिक्षा के पाठ्यक्रम में बदलाव को आवश्यक माना है। नीति की सिफारिशों के अनुसार शिक्षक शिक्षा के लिए बहुविषयक/बहुविषयक इनपुट के साथ उच्चत्तार गुणवत्ता युक्त विषयवस्तु और शैक्षणिक प्रक्रियाओं की आवश्यकता होती है। नीति की सिफारिशों के अनुसार पाठ्यक्रम में बदलाव के साथ–साथ मनोविज्ञान, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा, बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान, के अतिरिक्त समाजशास्त्र, भारत का ज्ञान, मूल्यपरक ज्ञान, कला, विज्ञान और इतिहास आदि विषयों का समावेश किया जाना चाहिए।

अत: नीति के अनुसार एकल शिक्षक शिक्षा संस्थानों को बहुविषयक संस्थानों के रूप में बदलकर दो वर्ष के स्थान पर 4 वर्षीय एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण के रूप में संचालित करना होगा।

नीति की इन सिफारिशों के अनुसार शिक्षक शिक्षा के पाठ्यक्रम, अवधि व प्रवेश नियम में परिवर्तन से शिक्षक शिक्षा, शैक्षिक गुणवत्ता आदि पर क्या प्रभाव पड़ेगा? इसे जानने के लिए शोधकर्ता द्वारा एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (**Integrated Teacher Education Programme, ITEP**) के प्रति विद्यार्थियों/छात्राध्यापकों/अकादमिक सदस्यों के विचारों का सर्वेक्षण किया गया। जिसके लिए शोधकर्ता द्वारा स्व निर्मित प्रश्नावली का निर्माण कर प्रशासित किया गया।

प्राप्त निष्कर्षों में अधिकांश न्यादर्शों का दृष्टिकोण ITEP के प्रति सकारात्मक पाया गया।

शब्द कुन्जी– राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शिक्षक शिक्षा, एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम।

प्रस्तावना – राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य 21 वीं सदी में शिक्षा के स्तर को ऊचाईयों में ले जाना है। वर्तमान में शिक्षा के पाठ्यक्रम का ढ़ांचा 10+2 है किन्तु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुसार इसमें परिवर्तन कर पाठ्यचर्या और शिक्षण–शास्त्रीय आधार पर 5+3+3+4 की नयी पुनर्गठित व्यवस्था करने की बात कही गई है। इसके अनुसार बुनियादी शिक्षा (5 वर्ष), प्रारंभिक शिक्षा (3 वर्ष), माध्यमिक (3 वर्ष) व उच्च माध्यमिक (4 वर्ष) के ढ़ाचे की रचना की गई है। अत: नीति का विजन ऐसे उत्कृष्ठ शिक्षक तैयार करना है, जो इन ढ़ाचों के अनुरूप शिक्षण पद्धतियों को आत्मसात कर विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान कर सकें।

नीति के अनुसार उत्कृष्ठ शिक्षकों की तैयारी के लिए 4 वर्षीय शिक्षक शिक्षा का पाठ्यक्रम तैयार किया जाना चाहिए, जिसमें वे विद्यार्थी प्रवेश ले सकें जो अपना कैरियर शिक्षक के रूप में निभा सकें। यह पाठ्यक्रम भावी शिक्षकों के लिए उस सेतु का कार्य करेगा, जिससे वे उन सभी प्रक्रियाओं एवं गतिविधियों को आत्मसात कर सकेगें जो गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं आवश्यक है। कक्षा 12वीं के बाद जो विद्यार्थी शिक्षक के रूप में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं वे एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में प्रवेश ले सकेगें।

समस्या कथन – एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (ITEP) की आवश्यकता एवं चुनौतियॉं : (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भ में)

अध्ययन के उद्देश्य –

1. NEP 2020 की सिफारिशों में ITEP को जानना।
2. ITEP की आवश्यकताओं को जानना व सहमत होना।
3. ITEP के पाठ्यक्रम की बारीकियों को जानना।

परिभाषायें –

1. **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (**NEP 2020)– राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, 21 वीं शताब्दी की पहली शिक्षा नीति है जिसका प्रमुख लक्ष्य देश के विकास के साथ–साथ प्रत्येक व्यक्ति में निहित रचनात्मक क्षमताओं के

विकास पर जोर देना है। यह नीति इस सिद्धांत पर आधारित है कि शिक्षा से न केवल साक्षरता और संख्याज्ञान जैसी 'बुनियादी क्षमताओं के साथ-साथ उच्चत्तर स्तर की तार्किक और समस्या-समाधान सम्बन्धी संज्ञानात्मक क्षमताओं का विकास होना चाहिए बल्कि नैतिक, सामाजिक और भावनात्मक स्तर पर भी व्यक्ति का विकास होना आवश्यक है।'

2. शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम – यह ऐसा शैक्षिक कार्यक्रम है, जिसमें व्यक्ति को पूर्व-प्रथमिक से उच्च शिक्षा स्तर तक शिक्षण कार्य हेतु शिक्षित, प्रशिक्षित और शोध कार्य कराया जाता है। इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य शिक्षण के प्रति उनकी दक्षताओं और क्षमताओं का विकास करना है।

3. एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम – यह एक विशेष शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम है जिसमें शिक्षक के रूप में कैरियर बनाने वाले विद्यार्थी कक्षा 12वीं के पश्चात् 4 वर्षीय बी.एड. में प्रवेश ले सकेंगे। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बहुविषयक/बहुविषयक इनपुट के साथ उच्चत्तर गुणवत्ता युक्त विषयवस्तु और शैक्षणिक प्रक्रियाओं का ज्ञान भी प्राप्त कर सकेगें। इस कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में शिक्षाशास्त्र के अतिरिक्त विज्ञान, कला, वाणिज्य आदि विषयों का भी समावेश होता है, जिससे अध्ययनरत् विद्यार्थियों को अन्य रूचि के विषयों का भी ज्ञान प्राप्त होता है।

न्यादर्श – प्रस्तुत अध्ययन के लिए निम्नानुसार न्यादर्शों का चयन किया गया –

1. कक्षा 12वीं में अध्ययनरत् 100 विद्यार्थी
2. वर्तमान मे द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम में अध्ययनरत् तृतीय सेमेस्टर के 100 छात्राध्यापक
3. द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम में शिक्षण कार्य में संलग्न 20 अकादमिक सदस्य

प्रविधि – प्रस्तुत अध्ययन **एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (ITEP) की आवश्यकता एवं चुनौतियॉं : (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भ में)** के लिए शोधकर्ता द्वारा सर्वे विधि का उपयोग किया गया। इसके लिए शोधकर्ता द्वारा स्वनिर्मित शोध उपकरणों का उपयोग किया गया, जो कि निम्नानुसार हैं-

1. 12वीं के विद्यार्थियों के लिए प्रश्नावली – इसमें शिक्षक पेशे में कैरियर बनाने सम्बन्धी उनकी रूचि आधारित प्रश्नों का समावेश, एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम व NEP 2020 की सिफारिशों पर आधारित ज्ञान सम्बन्धी प्रश्न, आगामी वर्षो में कार्यक्रम लागू किये जाने सम्बन्धी प्रश्नों आदि का समावेश किया गया।

2. वर्तमान में द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में अध्ययनरत् तृतीय सेमेस्टर छात्राध्यापकों के लिए प्रश्नावली – इसमें द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम की अवधि में वृद्धि सम्बन्धी, शैक्षिक कार्य की बारीकियों सम्बन्धी तथा द्विवर्षीय पाठ्यक्रम व एकीकृत शिक्षक शिक्षा के पाठ्यक्रम में अन्तर सम्बन्धी आदि प्रश्नों का समावेश किया गया।

3. द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम में शिक्षण कार्य में संलग्न अकादमिक सदस्यों के लिए प्रश्नावली – इसमें एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम की आवश्यकता एवं लागू किये जाने सम्बन्धी प्रश्न, विभिन्न विषयों के समावेश के साथ-साथ प्रत्येक डिग्री कालेजों में संचालित करने, प्रायोगिक व इन्टर्नशिप में वृद्धि सम्बन्धित प्रश्नों आदि का समावेश किया गया।

आंकड़ों का विश्लेषण – प्रस्तुत अध्ययन हेतु तैयार प्रश्नावलियों का प्रशासन किया गया प्राप्त। आंकड़ों की तालिकाओं का निर्माण कर सांख्यिकी के लिए प्रतिशत में गणना कर विश्लेषण किया गया।

1. 12वीं के विद्यार्थियों की प्रश्नावली व अभिमत का परिणाम

क्र.	प्रश्न	हाँ	प्रति	नहीं	प्रति
1.	क्या आप शिक्षक के रूप में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं ?	78	78	22	22
2.	क्या आप शिक्षक की जिम्मेदारियों को पूर्ण करने में स्वयं को सक्षम समझते हैं ?	82	82	18	18
3.	क्या आप द्विवर्षीय बी.एड. कार्यक्रम के बारे में जानते हैं ?	90	90	10	10
4.	क्या आप NEP 2020 में शिक्षक शिक्षा की सिफारिशों के बारे में जानते हैं ?	70	70	30	30
5.	NEP 2020 की सिफारिशों के अनुसार 12वीं के बाद Integrated Teacher Education Programme (ITEP) 4 वर्ष का होना चाहिए, आपकी राय....	70	70	30	30
6	क्या एकीकृत शिक्षक शिक्षा के पाठ्यक्रम में, शिक्षाशास्त्र के अतिरिक्त विज्ञान, कला, वाणिज्य आदि विषयों का समावेश होना चाहिए ?	85	85	15	15
7.	शिक्षण की बारीकियों को क्या ITEP द्वारा बी.एड. करने पर बेहतर सीख पायेगें ?	65	65	35	35
8.	क्या ITEP के पाठ्यक्रम में ICT, Digital शिक्षा व Smart कक्षाओं को अधिकता में शामिल किया जाना चाहिए ?	92	92	8	8
9.	क्या आपको लगता है कि ITEP द्वारा बी.एड. करने पर नौकरी प्राप्त करने की सम्भावनायें अधिक होगीं ?	82	82	18	18
10.	क्या आगामी वर्षो में इसे लागू किया जाना चाहिए ?	90	90	10	10

2. छात्राध्यापकों की प्रश्नावली व अभिमत का परिणाम

क्र.	प्रश्न	हाँ	प्रति.	नहीं	प्रति.
1.	क्या आपने ग्रेजुएशन किया है ?	100	100	–	–
2.	क्या शिक्षक बनना आपका पूर्व निर्धारित लक्ष्य था ?	70	70	30	30
3.	तीन वर्ष ग्रेजुएशन के पश्चात् द्विवर्षीय बी.एड. करना उचित है, आपकी राय	35	35	65	65
4.	क्या वर्तमान में द्विवर्षीय पाठ्यक्रम से आप संतुष्ट हैं ?	30	30	70	70

5.	क्या शिक्षण की बारीकियों को जानने के लिए यह पाठ्यक्रम पर्याप्त है ?	40	40	60	60
6.	यदि यह पाठ्यक्रम चार वर्षीय का होता, तो क्या आप शिक्षण की बारीकियों को अधिक सीखते ?	88	88	12	12
7.	NEP 2020 में आप शिक्षक शिक्षा की सिफारिशों के बारे में जानते हैं ?	90	90	10	10
8.	NEP 2020 के अनुसार एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम Integrated Teacher Education Programme (ITEP) से सहमत हैं ?	92	92	18	18
9.	क्या दूसरे विद्यार्थियों को एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम Integrated Teacher Education Programme (ITEP) से बी.एड. करने की सलाह देगें ?	94	94	06	06
10.	क्या आगामी वर्षो में इसे लागू किया जाना चाहिए ?	89	89	11	11

3.द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में अध्यापन कराने वाले अकादमिक सदस्यों की प्रश्नावली व अभिमत का परिणाम

क्र.	प्रश्न	हाँ	प्रति.	नहीं	प्रति.
1.	क्या द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम शिक्षण की बारीकियों को जानने के लिए पर्याप्त है ?	4		16	
2.	NEP 2020 में शिक्षक शिक्षा के लिए एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम Integrated Teacher Education Programme(ITEP) की सिफारिशों से आप सहमत हैं ?	19	95	01	05
3.	क्या ITEP द्वारा शिक्षण की बारीकियों को गहराईयों से सीखा जावेगा ?	19	95	01	05
4.	ITEP बेहतर शिक्षकों बनाने के लिए आवश्यक है, क्या आप सहमत हैं....	19	95	01	05
5.	क्या एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम Integrated Teacher Education Programme(ITEP) में अन्य विषयों विज्ञान, कला, वाणिज्य आदि के समावेश से आप सहमत हैं ?	16	80	04	20
6.	क्या ITEP के पाठ्यक्रम में ICT, Digital शिक्षा व Smart कक्षाओं को अधिकता में शामिल किया जाना चाहिए ?	19	95	01	05
7.	क्या ITEP में इन्टर्नशिप की अवधि बढ़ाई जानी चाहिये ? यदि हाँ तो कितनी माह .....6, 9, 12 माह	19	95	01	05
8.	क्या द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम के स्थान पर एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम Integrated Teacher Education Programme (ITEP) को प्राथमिकता दी जानी चाहिये ?	20	100	–	–
9.	क्या ITEP को अन्य कोर्सेस की भांति सभी डिग्री कालेजों में लागू किया जाना चाहिए ?	20	100	–	–
10.	क्या आप विद्यार्थियों को ITEP के द्वारा बी.एड. करने की सलाह देगें ?	20	100	–	–

अध्ययन के निष्कर्ष – प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्यवार निष्कर्ष निम्नानुसार हैं–

1. 70 प्रतिशत विद्यार्थी व 90 प्रतिशत छात्राध्यापक NEP 2020 की सिफारिशों से परिचित हैं, जबकि 95 प्रतिशत अकादमिक सदस्य इससे परिचित हैं।
2. 70 प्रतिशत विद्यार्थी ITEP की आवश्यकताओं को जानते हैं और 84 प्रतिशत शिक्षक के रूप में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं, जबकि 92 प्रतिशत छात्राध्यापक और 95 प्रतिशत अकादमिक सदस्य ITEP की सहमति तथा आवश्यक मानते हैं।
3. ITEP के पाठ्यक्रम की बारीकियों को 65 प्रतिशत विद्यार्थी, 88 प्रतिशत छात्राध्यापक तथा 95 प्रतिशत अकादमिक सदस्य जानते हैं।

अध्ययन के अन्य निष्कर्ष :

1. 85 प्रतिशत विद्यार्थियों व 80 प्रतिशत अकादमिक सदस्यों के अनुसार पाठ्यक्रम में शिक्षाशास्त्र के अतिरिक्त विज्ञान, कला, वाणिज्य आदि विषयों का समावेश किया जाना चाहिए ताकि विद्यार्थी अन्य क्षेत्रों में भी अपना कैरियर बना सकें।
2. 92 प्रतिशत विद्यार्थियों एवं 95 प्रतिशत अकादमिक सदस्यों के अनुसार ITEP के पाठ्यक्रम में ICT, Digital शिक्षा व Smart कक्षाओं को अधिकता में शामिल किया जाना चाहिए।
3. 82 प्रतिशत विद्यार्थियों ने ITEP द्वारा बी.एड. करने पर नौकरी प्राप्त करने की सम्भावना जताई।
4. 94 प्रतिशत छात्राध्यापकों व 100 प्रतिशत अकादमिक सदस्यों ने अन्य विद्यार्थियों को खढएझ द्वारा बी.एड. करने की सलाह दी।
5. 90 प्रतिशत विद्यार्थियों, 89 प्रतिशत छात्राध्यापकों एवं 100 प्रतिशत अकादमिक सदस्यों ने इसे तत्काल लागू किये जाने तथा अकादमिक सदस्यों द्वारा समस्त डिग्री कालेजों में प्रारंभ किये जाने पर सहमति जताई।
6. 100 प्रतिशत अकादमिक सदस्यों द्वारा ITEP के लिए इन्टर्नशिप की अवधि 6 माह व द्विवर्षीय पाठ्यक्रम के स्थान पर एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम ITEP को प्राथमिकता प्रदान करने पर सहमति जताई।

चुनौतियाँ – राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षक शिक्षा को एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम का स्वरूप प्रदान करने में निम्नानुसार चुनौतियों

की सम्भावनाऐं हैं –

1. **चयन एवं प्रवेश प्रक्रिया –** एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में 12वीं के पश्चात् चयन किये जाने वाले विद्यार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया किस प्रकार से की जावेगी ? प्रवेश परीक्षा अथवा मेरिट के आधार पर या अन्य किसी प्रक्रिया को अपनाया जावेगा।

2. **विषयों को प्राथमिकता –** कक्षा 12वीं में अध्ययनरत् विद्यार्थी विज्ञान, कला, वाणिज्य आदि विषयों का अध्ययन करते हैं। इस प्रकार वे खढएझ में बी.एससी.बी.एड., बी.ए.बी.एड., बी.कॉम.बी.एड. की शिक्षा प्राप्त कर पायेगें, किन्तु वर्तमान में समस्त डिग्री कालेजों में उक्त सभी विषयों की मान्यता न होने के कारण विद्यार्थी वंचित हो सकते हैं।

3. **अकादमिक सदस्यों की कमी –** बी.एड. प्रशिक्षण और प्रायोगिक कोर्स है, जिसमें अनुभवी और विषयों के ज्ञान रखने वाले अकादमिक सदस्यों की आवश्यकता होगी। वर्तमान में डिग्री कालेजों मे ंबी.एड. शिक्षण हेतु अकादमिक सदस्यों का अभाव होगा। अत: वैकल्पिक व्यवस्था की आवश्यकता भी की जानी होगी।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. https://taxguru.in/corporate-law/national-education-policy-2020.html
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (हिन्दी)
3. मनश प्रतिम बोरा, एम.एड. स्टूडेन्ट, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, डिब्रूगढ़ युनिवर्सिटी, डिब्रूगढ़, आसाम, Perception of B.Ed. Students of Dibrugarh University Towards Integrated Teacher Education Programme (ITEP) in the Light of NEP2020. An Evidence-Based Study.

****